Orchid
INFRACITY PRIVATE LIMITED

CIN: U45400UP2013PTC055330 GSTIN :09AABCO8021B1ZU
REGISTERED OFFICE: 108, GOEL HATA, DHARAMSHALA BAZAR,GORAKHPUR, U.P-273001(INDIA)
Contact No. +91-9984915777 Email-Id orchidgreen1913@gmail.com

Ref............................ Date:18.12.2020

सेवा में

समक्ष अध्यक्ष/सचिव
उ0प्र0 भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण, लखनऊ

विषयः ई–पत्र दिनांकः03–12–2020 के बिन्दू सं0–4 में उल्लिखित कमी के निराकरण के सम्बन्ध में

महोदय,

सादर निवेदन है कि कम्पनी द्वारा उ0प्र0 भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (उ0प्र0रेरा) में परियोजना "गोलघर सेन्ट्रल" का रेरा अधिनियम की धारा–3 के अन्तर्गत आवेदन किया गया है और कम्पनी का आवेदन पत्र आई0डी0 नं0–ID178772 पर पंजीकृत कर लिया गया है। प्रार्थी की कम्पनी को जरिये ई–मेल पत्रांक संख्या–0312208/ यू0पी0–रेरा/ परि0पंजी/2019–20 दिनांकः03–12–2020 प्राप्त हुआ है। जिसमें बिन्दू संख्या–4 में स्वामित्व के सम्बन्ध में कॉम्प्रिहेन्सेंबॅल तरीके से डाक्यूमेन्ट अपलोड करने का निर्देश दिया गया है।

परियोजना "गोलघर सेन्ट्रल" के स्वामित्व के संबंध में अवगत कराना है कि स्व0 राम नारायन लाल द्वारा आराजी संख्या–43 रकबा–1 एकड़ 80 डिसमिल 3 कड़ी मौजा चक जलाल तप्पा कस्बा, परगना हवेली तहसील सदर जिला गोरखपुर जरिये विक्रय अभिलेख दिनांकः22–07–1930 द्वारा क्रय किया गया जो **संलग्नक संख्या–1A** तथा उसका हिन्दी अनुवाद मुताबिक उर्दु संलग्नक–**1B** एवं उसके सम्बन्ध में शपथकर्ता संलग्नक–**1C** तथा खेवट खतौनी **संलग्नक संख्या–2** है। स्वर्गीय राम नारायन लाल के पारिवारिक सेजरा (वंशावली) का पूर्ण विवरण जिसे गो0वि0प्रा0 से मानचित्र स्वीकृत कराते समय उपाध्यक्ष, गो0वि0प्रा0 के समक्ष शपथपत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया था की छायाप्रति **संलग्नक संख्या–3** है। श्री संगम नारायण श्रीवास्तव आदि द्वारा आराजी संख्या–43 मि0 व 45 मि0 में रकबा 18 डिसमिल 10 कड़ी जरिये विक्रय विलेख दिनांकः11–07–2018 द्वारा क्रय किया गया है जो **संलग्नक संख्या–4** है एवं खतौनी **संलग्नक संख्या–5** है। साथ ही प्रस्तावित भूमि में स्थित पुराने भवन का नगर निगम से जारी नकल इन्तखाब भवन सं0–सी/118/180 **संलग्नक संख्या–6** है श्री राम नारायन लाल के वारिसानों के मध्य पूर्व में हुये पारिवारिक बटवारें का मेमोरेन्डम दिनांकः30–01–2015 को निष्पादित हुआ जो **संलग्नक संख्या–7** है। श्री संगम नारायण श्रीवास्तव वगैरह द्वारा दिनांकः13–07–2018 को आर्किड ग्रीन इन्फ्रासिटी के पक्ष में रजिस्टर्ड बिल्डर एग्रीमेंट निष्पादित हुआ है जो **संलग्नक संख्या–8** है तथा लैण्डलार्ड में से श्रीमती पूनम श्रीवास्तव व श्रीमती रूपम नारायन पाण्डेय व कुमारी रोली नारायन द्वारा अपने भाई श्री श्यामल नारायन को रजिस्टर्ड पावर आफ अटार्नी दिया है जो **संलग्नक संख्या–9A, 9B** व **9C** है तथा श्रीमती उमा श्रीवास्तव व श्रीमती शिल्पी रंजन द्वारा रजिस्टर्ड पावर आफ अटार्नी श्री सुमन श्रीवास्तव को दिया है जो **संलग्नक संख्या–10A, 10B** है तथा भार मुक्त प्रमाण पत्र **संलग्नक–11** है।

अतः प्रार्थना है कि ई–पत्र दिनांकः03–12–2020 के बिन्दू संख्या–4 में उल्लिखित कमियों के निराकरण हेतु कॉम्प्रिहेन्सेंबॅल तरीके से डाक्यूमेन्ट अपलोड किया जा रहा है जिसे स्वीकार करने की कृपा करे।

प्रार्थी
Manoj Kr. Pathak
(मनोज कुमार पाठक)
निदेशक
आर्किडग्रीन इन्फ्रासिटी प्रा0लि0

भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये

TEN RUPEES

रु. 10

Rs. 10

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

UTTAR PRADESH

.61AC 543634

प्रतिलिपि सं0 499/15 के साथ बही नं0 I ... जिल्द सं0/~~ग्राम~~ नं0 623/ पृष्ट नं0 256/150
क्रमांक सं0 1450 दिनांक 22-7-30 की छाया प्रति सलग्न है। कार्यालय में उपलब्ध अभिलेख अनुसार।
25-7-30

حالات ... | موضع و تفصیل ... مقابلہ دستاویز (دفعہ ۵۲ ... ایکٹ نمبر ۱۶ سنہ ۱۹۰۸ء)

درج تفصیلات جائداد کی حسب منشاء ... ایکٹ ۱۶ سنہ ۱۹۰۸ء ...

[illegible]

... دستاویز

For will ... [illegible]

~~[illegible]~~ Old ... House ... [illegible]

[illegible]

۱۹۲ ... [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

نام موضع	[illegible]	کیفیت

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

[illegible] 1930 [illegible]

[illegible] . Sd. [illegible]

Sd. Kishan Pd Vakil [illegible] 22/7/30 [illegible]

[illegible] 1930 [illegible]

[illegible]

[illegible] 1930 [illegible]

Sd. Jugal Kishore [illegible]

[illegible]

Sd. Jugal Kishore. Sd. [illegible] Sub-Registrar 22 — 7 — 30

[illegible] 1930 [illegible]

[illegible] 1-2-0 — [illegible] 11-8 — [illegible] 1-8 — [illegible] 10 —

[illegible]

सत्य प्रतिलिपि

उ० नि० सदर
गोरखपुर

[signature] 15/4/15

दस्तावेज उर्दू तहरीर का हिन्दी रूपान्तर

मन कि बाबू युगुल किशोर वल्द बाबू बिहारी लाल मुतवफ्फी साकिन शाहर गोरखपुर का हूं।

चूंकि मिस्टर विलियम आरलैण्ड .. मालिक साबिक बंगला मय अहाता मुतअल्लिका मौसूमा ओल्ड क्लब हाउस वाका मुहल्लाजात पुर्दिलपुर व जलाल चक शाहर गोरखपुर ने अपनी मिल्कियत मुसल्लम बहक हम मुकिर इस तौर से बैय बतवारीख 14 सितम्बर सन् 1923 ई0 व 18 सितम्बर सन् 23ई0 व 29 जनवरी सन् 24 ई0 मे जर समन मुब0 पचीस हजार रुपया मुसल्लम वसूल पाकर मन मुकिर को काबिज जायदाद मजकूर करा दिया और तारीख 16 जून सन् 30 ई0 दस्तावेज बैनामा नीज बहक हम मुकिर तहरीर व तकमील करके रजिस्ट्री करा दिया और मन मुकिर इस तौर से बंगला व अहाता व आराजियात मुतअल्लिका अहाता बंगला मजकूर पर तनहा मिल्कियतन काबिज दखील हैं। जब कि हम मुकिर के जिम्मे कर्जा कसीर यानी जायद सत्ताईश हजार मुफस्सल बैंक लिमिटेड गोरखपुर का हो गया है और चूंकि बैंक मजकूर को इस वक्त रुपया की सख्त जरूरत है और हम मुकिर के जिम्मे सूद रोज बरोज बढ़ता जाता है और अदायगी जर कर्जा वाफतनी मुफस्सल बैंक लिमिटेड गोरखपुर हम मुकिर जरूरी व लाजमी है और चूंकि अदायगी कर्जा मजकूर बिला इन्तकाल जायदाद मजकूर और किसी तरह से मुमकिन नहीं है और चूंकि बंगला मजकूर के मुतअल्लिक कसीर रकबा की जमीन जो मुत्तसिल उस सड़क पोख्ता के है जो रेलवे स्टेशन गोरखपुर को जाती है दरअसल जरूरियात बंगला मजकूर से कतई फाजिल और बिलकुल गैर जरूरी है जो हम मुकिर के किसी फायदा या तसर्रुफ मे नहीं आता है और न हो सकता है बल्कि बिलकुल परती और बेकार पड़ा हुआ है और चूंकि अदायगी मालगुजारी

सरकार भी, ऐसी सूरत मे हम मुकिर पर जब्र व गिरां गुजरता है और चूंकि आराजियात मजकूर की कीमत भी हम मुकिर को इत्तिफाक से बहुत मुनासिब मिल रही है इसलिए मिनजुमला आराजियात मुतअल्लिका बंगला मजकूर के कुछ जमीन को बगरज अदायगी जुजो जर मुतालबा मुफस्सल बैंक गोरखपुर मुन्तकिल करना हम मुकिर बनजर हालात जरूरी और मुनासिब समझते है चुनान्चा हम मुकिर मिनजुमला आराजियात मुतअल्लिका बंगला व अहाता मजकूर के आराजी नम्बरी 43 वाक्य जलाल चक मुसईहा जैल को मय दरख्तान व चहार दीवारी व चाह पोख्ता वगैरह व जुमला हकूक मुतअल्लिका आराजियात मजकूर बिला इस्तसनाय किसी हक व शैय के बएवज मुब0 तीन हजार छे: सौ रुपया कि जिसका निस्फ मुब0 एक हजार आठ सौ रुपया होता है बदस्त बाबू राम नरायन लाल वकील वल्द मुन्शी राम सरन लाल वकील मरहूम साकिन कस्बा रुद्रपुर तप्पा नगवा टीकर परगना सिलहट हाल मुहल्ला काजीपुर खुर्द शहर गोरखपुर बब बजरिये दस्तावेज हाजा बैयनामा करते है। मुश्तरी मजकूर को जायदाद मजकूर पर बजाय अपने मालिकान काबिज दखील कराये देते है। मुश्तरी मजकूर को आराजियात मुबईया मजकूर पर हक मालिकाना हासिल होगा। चाहिए कि मुश्तरी मजकूर बहक अपने दाखिल खारिज करा कर आराजियात मुबईया पर नसलन बाद नसलन मालिकाना काबिज दखील रह कर उससे मुस्तफीद व मुतसर्रिफ होते रहे और बतौर मालिक काबिज कामिल हस्ब ख्वाहिश अपने आराजियात मजकूर को जिस इस्तेमाल मे चाहे लावे और बंगला और मकान व कुंआ वगैरह तामीर करें और बाग लगावे हम मुकिर ने आराजियात मुबईया से अपना कब्जा दखल उठा लिया। हम मुकिर से अब आराजियात मुबईया मजकूर से कुछ ताअल्लुक बाकी नही रहा है और न रहेगा। हम मुकिर या वारिसान हम

--- 3

हम मुकिर या कायम मुकामान हम मुकिर को कोई उजुर या स्तराज बाबत शोय मुबईया के नही होगा और अगर कोई उजुर मिनजानिब हम मुकिर या वरसाय या कायम मुकामान हम मुकिर खिलाफ मन्शाय दस्तावेज मजकूर के पेश आवे तो बमुकाबला दस्तावेज बैनामा हाजा बातिल व नाकाबिल पजीरी होगा। जर समन दस्तावेज हाजा इस तसरीह से वसूल पाया कि कुल रकम मुब0 तीन हजार छै: सौ रुपया पास मुश्तरी के बगरज अदायगी जुजो मुतालबा मुफस्सल बैंक लिमिटेड गोरखपुर मुतजिकरा बाला जमोग छोड़ दिया चाहिए कि मुश्तरी मजकूर जर जमोग को अदा करके मुफस्सल बैंक लिमिटेड गोरखपुर से रसीद हासिल करके जुजो जर कर्जा मजकूर के बार से हम मुकिर को सुबुकदोश कर देवे चाजा हो कि मिनजुमला जर जमोग के मुब0 तीन हजार रुपया मुश्तरी मजकूर को फौरन अदा करना लाजिम होगा बकिया जर समन जमोग मुश्तरी जब चाहे अन्दर 3 व 4 के अदा कर देवे। हम मुकिर मुश्तरी मजकूर को यकीन दिलाते है कि आराजियात मुबईया हर किस्म के बार किफालत व और इन्तकालात से पाक व साफ है। हम मुकिर को मुकम्मल अख्तियार हासिल है। हम मुकिर यह भी एकरार करते है कि बवजह फेल या तर्क फेल या फेल माबाद हम मुकिर ख्वाह वारिसान व कायम मुकामान हम मुकिर आयद और जायदाद मुबईया ख्वाह उसके जर समन कुल या जुजो मे कोई नुक्स आयद होवे तो मुश्तरी मजकूर को अख्तियार हासिल होगा कि अपना कुल जर समन मय सूद व हर्जा 1/- रुपया सैकड़ा माहवारी के वसूल कर लेवे। इसलिए यह बैयनामा खातमी लिखा दिया कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

सेराहत जायदाद मुबईया

आराजी नम्बरी 43 रकबा । एकड़ 80 डिसमिल 3 कड़ी॥ एक एकड़ अस्सी डिसमिल तीन कड़ी॥ आराजियात मुल्हिका वाका जलाल चक तप्पा कस्बा

परगना हवेली गोरखपुर तहसील सदर गोरखपुर मुतअल्लिका अहाता मौसूमा ओल्ड क्लब हाउस महदूदा जैल ।

पूरब :- स्टेशन रोड,

दखिखन :- हद अहाता साहब कमिश्नर बहादुर ममलूका बाबू हीरा लाल

उत्तर :- सड़क पोख्ता अन्दरूनी अहाता बंगला हम मुकिर जो स्टेशन रोड

से बंगला तक जाती है। व आराजियात नम्बरान ..

व दरख्त शीशम वाके आराजियात नम्बरी 27 व 37

पश्चिम- हद अहाता साहब कमिश्नर बहादुर साहब कमिश्नर बहादुर

व आराजी नम्बरी 23।

वाजा हो कि सतर 16 मे लफ्ज आराजियात नम्बरान 27 व 37 कलमजद है बालाये सतर आराजी नम्बरी 43 व सतर यानी सेराहत जायदाद मे अस्सी हिसमिल कलमजद है अस्सी हिसमिल व तीन वही छ सही है।

विक्रमाजीत लाल कातिब ।

अलमरकूम 22 जुलाई सन् 1930 ई0 द0 जुगुल किशोर द0किशोर पं0 वकील गोरखपुर 22-7-30 ई0 गवाह शुद दया शंकर लाल वल्द राजा राम साकिन मुहल्ला बसन्तपुर शहर गोरखपुर ब0 खास। कातिबुल इस्म विक्रमाजित लाल मोहर्रिर अदालत दीवानी गोरखपुर ब0 खुद

नं047 ता0 22 जुलाई सन् 1930 ई0 बदस्त बाबू जुगुल किशोर वकील दीवानी कचहरी गोरखपुर मार्फत पं0 बिन्ध्याचल धर दूबे द0 रामदास लैसेन्दार ब0 खुद। मुसम्मी जुगुल किशोर वल्द प्यारे लाल कौम अग्रवाल पेशा वकालत साकिन नौती मान्दा हरैया शहरगोरखपुर ने दफ्तर सब रजिस्ट्रार गोरखपुर जिला गोरखपुर मे आज बतारीख 22 माह जुलाई सन् 1930 ई0 माबैन वक्त 3 व 4 बजे दिन के पेश की । बाबू बिन्देश्वरी दयाल साहब सब रजिस्ट्रार । तकमील दस्तावेज हाजा व वसूलयाबी कुल जर बदल मुब0 3600/- तीन हजार छ: सौ रुपया से मुसम्मी बाबू जुगुल किशोर मुकिर मजकूर बाला ने एकबाल किया जिससे मैं खुद वाकिफ हूं।

दस्तखत बाबू बिन्देश्वरी दयाल साहब सब रजिस्ट्रार दस्तखत जुगुल किशोर दस्तखत जुगुल किशोर द0 बिन्देश्वरी दयाल सब रजिस्ट्रार 22-7-30 ई0 बही नम्बर एक जिल्द 623 के सफहात 256 ता 258 मे नम्बर 147 पर आज बतारीख 25 जुलाई सन् 1930 ई0 रजिस्ट्री की गयी दस्तखत बाबू बिन्देश्वरी दयाल साहब सब रजिस्ट्रार ।

फीस रजिस्ट्री 10/- उजरत 1/8/- जुमला 11/8/- अलफाज 1200

नकल मुताबिक असल के है।

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 36AE 555609

शपथपत्र

समक्ष अध्यक्ष / सचिव
उ0प्र0 भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण, लखनऊ

शपथपत्र मिनजानिब आर्किड ग्रीन इन्फ्रासिटी प्रा0लि0, 108 गोयल हाता धर्मशाला बाजार शहर गोरखपुर जरिये निदेशक मनोज कुमार पाठक पुत्र स्व0 सूबेदार पाठक निवासी अधियारीबाग उत्तरी गोरखनाथ, गोरखपुर

शपथकर्ता शपथपूर्वक निम्नलिखित बयान करता है:

(1) यह कि कम्पनी का नाम, पता व शपथकर्ता का नाम, पिता का नाम व पता जो ऊपर दर्ज है सही व सच है।

(2) यह कि शपथकर्ता की कम्पनी के परियोजना "गोलघर सेन्ट्रल" को आवेदन पत्र आई0डी0 नं0–ID178772 पर पंजीकृत कर लिया गया है।

(3) यह कि हम शपथकर्ता की कम्पनी को जरिये ई–मेल एक पत्र पत्रांक संख्या–0312208/ यू0पी0–रेरा / परि0पंजी / 2019–20 दिनांक:03–12–2020 प्राप्त हुआ है जिसमें बिन्दू संख्या–4 में स्वामित्व के सम्बन्ध में कॉम्प्रिहेन्सेबल तरीके से डाक्यूमेन्ट अपलोड करने का निर्देश दिया गया है।

(4) यह कि शपथकर्ता द्वारा दिनांक:18–12–2020 को एक प्रार्थना पत्र मय संलग्नक प्रेषित किया गया है। उक्त प्रार्थना पत्र में संलग्नक–**1A** के रूप विक्रय अभिलेख दिनांक:22–07–1930 संलग्न है। चूँकि उक्त विक्रय विलेख दिनांक:22–7–1930 उर्दू में निष्पादित है इसलिए शपथकर्ता द्वारा उसका हिन्दी अनुवाद मुताबिक उर्दू कराकर संलग्नक–**1B** के रूप में प्रेषित किया गया है जो सही व सत्य है।

(5) यह कि मजमून शपथपत्र का पैरा–1 ता 4 मेरे निजी जानकारी से सही व सच है इसमें कोई बात गलत अथवा झूठ नहीं लिखी गई है सो ईश्वर मेरी मदद करे।

दिनांक:14–12–2020

Yogesh Dutt Mishra
NOTARY
Head Quarter, Gorakhpur

NOTARY
YOGESH DATT MISHRA
HEAD QUARTER
GORAKHPUR
REGD. NO. 37/27/2000
GOVT OF UTTAR PRADESH (INDIA)

शपथकर्ता
Manoj Kr. Pathak
(मनोज कुमार पाठक)

[illegible]

NOTARY
YOGESH DATT MISHRA
HEAD QUARTER
GORAKHPUR
REGD No 37/27/2000
GOVT OF UTTAR PRADESH INDIA

Manoj Kr. Pathak

Sd/- [illegible]
Manoj Kr Pathak

...l.No. 2616 ...
who solemnly before me on 14/11/20 Manoj Kr. Pathak
[illegible] by Shri [illegible]
I have satisfied my self by examining the deponent that he/she and stands the contents of this affidavit which has been readover and explained by me.

Yogesh Datt Mishra
NOTARY
Head Quarter, Gorakhpur

14/12/2020